

मन (पूरक पठन)

सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए [PAGE 16]

सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए | Q (१) | Page 16

उचित जोड़ियाँ मिलाइए :

अ		आ
मछली	_____	मौन
गीतों के स्वर	_____	सूना
रेल की पटरियाँ	_____	प्यासी
आकाश	_____	अमर
		पीड़ा

Solution:

अ	उत्तर
मछली	प्यासी
गीतों के स्वर	अमर
रेल की पटरियाँ	मौन
आकाश	सूना

सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए | Q (२) १. | Page 16

परिणाम लिखिए :

सितारों का छिपना - _____

Solution: आकाश का सूना होना।

सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए | Q (२) २. | Page 16

परिणाम लिखिए :

तुम्हारा गीतों को स्वर देना - _____

Solution: उन गीतों का अमर हो जाना।

सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए | Q (३) | Page 16

सरल अर्थ लिखिए :

मन की _____ बरसीं आँखें।

Solution: कवि कहता है कि मन में जो पीड़ा है, वह बादल बनकर आँखों में छा गई और आँखों से अश्रुओं की वर्षा होने लगी। यहाँ कवि यह बताना चाहता है कि अक्सर मन का दुख आँसुओं से ही प्रकट होता है।

स्वाध्याय [PAGE 17]

स्वाध्याय | Q (१) | Page 17

लिखिए :

निम्नलिखित हाइकु द्वारा मिलने वाला संदेश	
करते जाओ पाने की मत सोचो जीवन सारा।	भीतरी कुंठा नयनों के द्वार से आई बाहर।
_____	_____

Solution:

करते जाओ पाने की मत सोचो जीवन सारा ।	भीतरी कुंठा नयनों के द्वार से आई बाहर।
हमें पूरा जीवन काम करते रहना चाहिए। यह नहीं सोचते रहना चाहिए कि हमें क्या प्राप्त होगा।	जब नेत्रों से अश्रु बहते हैं तो यह मानना चाहिए कि मन की कुंठा नयन रूपी द्वार से बाहर आ रही है।

स्वाध्याय | Q (२) | Page 17

कृति पूर्ण कीजिए :

हाइकु में प्रयुक्त महीना और उसकी ऋतु



Solution:

हाइकु में प्रयुक्त महीना और उसकी ऋतु



स्वाध्याय | Q (४) १. | Page 17

निम्नलिखित काव्य पंक्तियों का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए :

चलतीं साथ
पटरियाँ रेल की
फिर भी मौन।

Solution: रेल की पटरियाँ अनंत काल से साथ चल रही हैं, परंतु वे सदा मौन रहती हैं। एक-दूसरे से कभी बात नहीं करतीं।

उपयोजित लेखन [PAGE 17]

उपयोजित लेखन | Q (१) | Page 17

वक्तृत्व प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने के उपलक्ष्य में आपके मित्र/सहेली ने आपको बधाई पत्र भेजा है, उसे धन्यवाद देते हुए निम्न प्रारूप में पत्र लिखिए :

दिनांक : _____
संबोधन : _____
अभिवादन : _____
प्रारंभ : _____
विषय विवेचन : _____

तुम्हारा/तुम्हारी,

नाम : _____
पता : _____
ई-मेल आईडी : _____

Solution:

दिनांक: १५ जनवरी, २०१८

arman@xyz.com

प्रिय मित्र,
सादर नमस्कार!

आपका पत्र दो दिन पूर्व ही मिला। विद्यालय की वक्तृत्व प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त होने के उपलक्ष्य में आपकी तरफ से मिली बधाई को मैं स्वीकार करते हुए आपको धन्यवाद देता हूँ। इस सफलता से मेरे माता-पिता बहुत खुश हैं और मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि इस खुशी में आप भी सहभागी हैं।

एक बार पुनः आपके बधाई पत्र व शुभकामनाओंके लिए हृदय से धन्यवाद।

तुम्हारा मित्र,
अमन गुलाटी

अमन गुलाटी,
१५४/मनन नगर,
दादर,
मुंबई।

aman@xyz.com